फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 16 प्रभात जयपुर, रविवार 17 अगस्त, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Pura Luhur Uluwatu

Although Balinese Hindus do not specifically observe Janmashtami, as it follows a different calendar and ritual practice, the Indian Hindu diaspora celebrates it with devotion on the date according to their calendar

So Much Shoe And No More

16th Century Had Sumptuary Laws Against Shoes: Fashion, Power, and Control

ट्रम्प और पुतिन मीटिंग अन्त में ''फ्लॉप शो'' रही

पुतिन की राजनीतिक रणनीति इतनी कामयाब रही कि ट्रम्प व उनकी टीम हांफती हुई नज़र आई मीटिंग के बाद

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अगस्त। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई बहुप्रचारित अलास्का मीटिंग का निराशाजनक अंत हुआ और बैठक महज एक अस्पष्ट वादे, ''आगे और भी बातें होंगी'' के साथ समाप्त हुई, और पुतिन ने संक्षेप में कहा, ''अगली बार मास्को में।''

जो कुछ भी हुआ, उसने डॉनल्ड ट्रंप की दुनिया की सबसे बड़े ''डील मेकर'' की प्रतिष्ठा को चकनाचूर कर दिया।

- ट्रम्प केवल अस्पष्ट आश्वासन साथ लेकर उठे कि, बातचीत आगे जारी रहेगी, मुस्कुराते हुए पुतिन ने कहा, अगली मीटिंग मॉस्को में होगी।
- बैठक के बाद ट्रम्प ने तुरन्त यूक्रेन के राष्ट्रपति को फोन करके कहा, आगे की बात वे उनसे ''वाइट हाउस'' में करेंगे।
- जैसा मीटिंग में नज़र आया, राष्ट्रपति पुतिन तैयार नहीं हैं, जब तक उनकी मूल मांग, यूक्रेन पर उनका ''कब्जा,'' पूरी तरह स्वीकार नहीं होती, यूक्रेन के पांचों पूर्वी प्रदेश लुहांस्क, डोनरस्क, ज़ैपोरिझिया, खैरसॉन व क्रीमिया उसको सौंपे नहीं जाते।

इस शो ने ट्रंप की कूटनीतिक कोशिशों को एक तमाशा और नाटक भर साबित कर दिया। पुतिन ने छल और बातों को उलझाने की राजनीति की जो कुशलता दिखाई, उसने पूरे अमेरिकी कूटनीतिक तंत्र को स्तब्ध कर दिया।

इस बैठक की सबसे बड़ी असफलता यह रही कि अमेरिका और रूस जैसी महाशक्तियों के राष्ट्राध्यक्षों की प्रत्यक्ष वार्ता के बावजूद, यूक्रेन के अपमानित राष्ट्रपति की प्रतिष्ठा की बहाली नहीं हो सकी। बैठक के तुरंत बाद ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की को फोन किया और उन्हें वाइट हाउस के ओवल ऑफिस में, बैठक का निमंत्रण दिया - वही ओवल ऑफिस जहां पिछली बार ज़ेलेंस्की का अपमान हुआ था।

ट्रंप और उनके डिप्टी, उप राष्ट्रपति जेडी वैंस, ने पिछली बार ज़ेलेंस्की के साथ अमेरिकी नेताओं की बातचीत को अपमानजनक सत्र में बदल दिया था, जहाँ उन्हें यह कहा गया था कि उनके पास कोई कार्ड नहीं है।

अब जबकि अलास्का मीटिंग विफल हो चुकी है, तो ट्रंप ने स्थिति को संभालने की कोशिश करते हुए ज़ेलेंस्की को कॉल किया और उनके साथ फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब और पोलैंड के राष्ट्रपति कारोल नवरोकी जैसे कई यूरोपीय नेता भी इसमें शामिल हो गए।

अमेरिकन राष्ट्रपति ट्रंप रूस के राष्ट्रपति से इतने भयभीत दिखे कि उन्होंने अपने उस वादे पर अभी तक कोई कदम नहीं उठाया कि अगर पुतिन ने युद्धविराम या शांति समझौते से इनकार किया तो उन्हें पर कठोर सजा दी जाएगी।

अगर बैठक की रूपरेखा देखें, तो यह स्पष्ट था कि पुतिन शांति समझौते को लेकर गंभीर नहीं थे, जब तक उनकी मूल मांग पूरी न हो जाए और उनकी मांग है, यूक्रेन का पूर्ण अधीनस्थीकरण और उसकी संप्रभुता का अंत।

रूस की यह मंशा उसके कृत्यों से साफ जाहिर हो रही थी।

जैसे ही अलास्का में बैठक शुरू हुई, रूस ने यूक्रेन पर ज़बरदस्त आक्रमण शुरू कर दिया - विशेषकर फ्रंटलाइन इलाकों में। यह यूक्रेन के खिलाफ अब तक के सबसे क्रूर हमलों में से एक था। पुतिन की मांग साफ़ थी: यूक्रेन के पांच पूर्वी प्रांतों- लुहांस्क, डोनेट्स्क, ज़ापोरिज्झिया, खेरसॉन और क्रीमिया को पूरी तरह से रूस को सौंप दिया जाए।

अगर ये क्षेत्र रूस के नियंत्रण में आ जाते हैं, तो अगला कदम शायद यूक्रेन के बाकी हिस्सों पर कब्जा करना होगा, ताकि पूर्वी यूरोप में ''साम्राज्यवादी रूस'' की पुतिन की कल्पना को साकार किया जा सके।

नाबालिग का अपहरण और दुष्कर्म

जयपुर, 16 अगस्त। बस्सी थाना इलाके में परिचित युवक द्वारा बहला-फुसलाकर एक चौदह वर्षीय नाबालिग लड़की का अपहरण कर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में बस्सी थाने में नाबालिग पीड़िता के भाई की ओर से मामला दर्ज करवाया गया है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि बस्सी के रहने वाले युवक ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी चौदह वर्षीय बहन के साथ आरोपित परिचित ने दुष्कर्म किया। आरोप है कि परिचित होने के कारण

- 14 वर्षीय पीड़िता के भाई ने पुलिस को शिकायत दर्ज करवाकर परिचित पर आरोप लगाया।

आरोपित से बातचीत होती रहती थी। जुलाई महीने में नाबालिग बहन किसी काम से घर से निकली थी। इस दौरान रास्ते में आरोपित परिचित ने मिलने पर उसको रोक लिया। बातचीत कर धोखे से बहला-फुसलाकर अपने साथ बस्सी फाटक के पास ले जाकर उसके साथ जबरदस्ती की।

विरोध करने पर मारपीट कर नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। इस बारे में किसी को बताने पर धमकी दी। लम्बे समय से डरी-सहमी नाबालिग को देखकर परिजनों ने दबाव बनाकर पूछा तो उसने आरोपित परिचित के करतूत के बारे में बताया। पुलिस दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

वैश्विक राजनीति की मजबूरियां करीब ला रही हैं भारत और चीन को

चीन के विदेश मंत्री सोमवार को भारत आ रहे हैं दो दिवसीय दौरे पर

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की तर्कहीन और अचानक लिए गए निर्णयों वाली नीतियों से जूझ रहे भारत और चीन के रिश्तों में अब गर्माहट आने लगी है। इसी क्रम में चीन के विदेश मंत्री वांग यी आगामी सोमवार से दो दिवसीय भारत दौरे पर आ रहे हैं, जहाँ वे नेशनल सिक्योरिटी एडवाइज़र (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ सीमा वार्ता करेंगे।

विदेश मंत्रालय द्वारा आज की गई घोषणा के अनुसार, भारत-चीन सीमा वार्ता, जो 2020 में चीनी घुसपैठ के बाद स्थगित हो गई थी, दिसंबर 2024 में दोबारा शुरू हुई थी।

वांग का यह दौरा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चीन यात्रा से कुछ ही दिन पहले हो रहा है। मोदी शंघाई कोऑपरेशन आर्गनाइजेशन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन जा रहे हैं।

हालाँकि नई दिल्ली और बीजिंग दोनों ही संबंधों की बहाली को लेकर सतर्कता बरत रहे हैं और इसे बहुत प्रचारित नहीं कर रहे, लेकिन सच्चाई यह है कि अमेरिका द्वारा घेरे जाने के बाद, भारत ने इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। भारत और चीन के प्रवक्ताओं ने नई दिल्ली और बीज़िंग में जोर देकर कहा है कि चीनी विदेश मंत्री का भारत दौरा मुख्य रूप से विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) के बीच सीमा मसले पर वार्ता के अगले दौर के लिए हो रहा है।

वांग और डोभाल सीमा वार्ता के लिए नामित विशेष प्रतिनिधि हैं।

विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, ''राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के निमंत्रण पर चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की पोलितब्यूरो के सदस्य और विदेश मंत्री वांग यी 18 और 19 अगस्त को भारत दौरे पर आएंगे।''

बयान में आगे कहा गया, ''अपने दौरे के दौरान, वे भारत के विशेष प्रतिनिधि एनएसए डोभाल के साथ भारत-चीन सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों की 24वीं बैठक करेंगे।

- ट्रंप की अटपटी नीतियों और टैरिफ धमकियों ने दोनों देशों को अपने बिगड़े रिश्तों को सुधारने के लिए मजबूर कर दिया है।
- चीन के विदेश मंत्री की भारत यात्रा के बाद प्रधानमंत्री मोदी शंघाई कोऑपरेशन समिट में शामिल होने चीन जाएंगे, जहां वे चीन के राष्ट्रपति से भी मीटिंग कर सकते हैं।
- भारत और चीन 2020 से ठप्प पड़ी वार्ता पुनः शुरू करने पर मान गए हैं। चीन के विदेश मंत्री इसी सिलसिले में भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के बुलाने पर भारत आ रहे हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बड़ी उत्कंठा से ट्रम्प-पुतिन मीटिंग का इन्तज़ार हो रहा था

पर पुतिन की मुलाकात के बारे में सोच का संकेत मिला था, रूस के विदेश मंत्री के आगमन से

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रीय ब्यूरो -

नई दिल्ली, 16 अगस्त। दुनिया आज अलास्का में होने वाली ट्रंप-पुतिन बैठक के नतीजों को लेकर रुकी हुई सांसों के साथ इंतज़ार कर रही है, जिसका उद्देश्य यूक्रेन में शांति स्थापित करना है। लेकिन इसके अतिरिक्त, इस बैठक का शांतिपूर्ण समाधान विश्व अर्थव्यवस्था पर भी बड़े असर डाल सकता है।

हालांकि, कुछ संकेत, आगे की संभावित कार्यवाही या कम से कम प्रतिभागियों की मानसिकता को पहले से ही दर्शा सकते हैं।

मीटिंग स्थल पर पहुंचे रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के पहनावे ने सबका ध्यान आकर्षित किया।

लावरोव नीली जीन्स, काली जैकेट और एक सफेद स्वेटर में पहुँचे थे, जिसके सीने पर सी. सी. सी. पी. (पूर्व सोवियत संघ का रूसी संक्षेप), :छपा हुआ था। इसे, मीटिंग को लेकर रूस के रवैये और इस बैठक की भावना का प्रतीक माना जा रहा है।

- विदेश मंत्री सर्गेइ लेवारो, बड़ी ही ''कैजुअल'' (गैर औपचारिक) ड्रेस में, मीटिंग में आये थे। उन्होंने नीली जींस, ब्लैक जैकेट व सफेद स्वैटर पहना हुआ था, जिस पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था, सी.सी.सी.पी., रूसी लिपी में, जिसका अंग्रेजी में मतलब था, यू.एस.एस.आर. (यूनियन ऑफ सोवियत सोशलिस्ट रिपब्लिक)।
- ये अक्षर रूस व पुतिन के सोच का प्रतिबिम्ब थे। पुतिन सदा कहते रहे हैं, कि यू.एस.एस.आर. रूस के इतिहास का स्वर्णिम युग था, तथा यू.एस.एस.आर. का विघटन, बीसवीं सदी की सबसे दुःखद घटना थी, तथा वे पुराना स्वर्णिम युग वापस स्थापित करना चाहेंगे।
- अतः यह सम्भावना बहुत कम थी, कि पुतिन ट्रम्प मंथन में कोई समाधान निकलेगा, यूक्रेन की सार्वभौमिकता को पुनः स्थापित करने के लिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नाहरगढ़ की पहाड़ियों में नर कंकाल मिला

जयपुर, 16 अगस्त। राजधानी जयपुर की नाहरगढ़ थाना इलाके में स्थित नाहरगढ़ की पहाड़ियों पर शनिवार को एक नर कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, यह नर कंकाल सौ फीट गहरी खाई में पड़ा था,यहां घूमने पहुंचे युवकों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। कंकाल करीब एक महीने पुराना बताया जा रहा

- 100 फीट गहरी खाई में पड़ा नर कंकाल एक माह पुराना बताया जा रहा है। शरीर का 70 प्रतिशत हिस्सा जानवर खा गए हैं।

है। जिसके शरीर का सत्तर फीसदी हिस्सा जानवर खा चुके थे। पुलिस टीम सिविल डिफेंस और एफएसएल की टीम की मदद से नर कंकाल को बरामद कर सबूत जुटा रही है। फिलहाल मामले की जांच पडताल की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर बजरंग सिंह शेखावत ने बताया कि नाहरगढ इलाके में नरसिंह कॉलोनी के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओबामा, बाइडन व ट्रम्प चाहते थे, कि भारत, जापान व ऑस्ट्रेलिया की भांति चीन के खिलाफ खुलकर आये

पर, भारत यह भूमिका निभाने को तैयार नहीं हुआ, क्योंकि चीन से खुली लड़ाई की फायनैंशियल व डिफैन्स की चुनौती भारत को बहुत भारी पड़ती

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 16 अगस्त। हाल में कई विदेश नीति विशेषज्ञों ने कहा है कि भारत-अमेरिका रिश्ते पिछले 20 सालों में अपने सबसे निचले स्तर पर पहुँच गए हैं, खासकर तब से, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान से नज़दीकियां बढ़ाईं, भारत-विरोधी बयान दिए और अंत में भारतीय सामान पर 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया।

हालाँकि यह आकलन, कि रिश्ते 20 सालों में सबसे निचले स्तर पर हैं, पूरी तरह सही नहीं है। सच यह है कि वॉशिंगटन लंबे समय से भारत को इंडो-पैसिफिक में चीन का संतुलन बनाने वाली ताकत के रूप में देखता रहा है। बराक ओबामा की ''पिवैट टु एशिया'' नीति से लेकर ट्रंप की इंडो-पैसिफिक स्ट्रैटेजी और जो बाइडन के क्वाड को मज़बूत करने तक, हर सरकार ने उम्मीद की कि नई दिल्ली चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने में बड़ी भूमिका निभाएगा। लेकिन भारत ने रणनीतिक स्वायत्तता की अपनी नीति के तहत अमेरिका का मोहरा बनने से इन्कार किया और क्वाड को एक सुरक्षा संवाद व सहयोग मंच के रूप में रखा, न कि नाटो जैसे चीन-विरोधी सैन्य गठबंधन के रूप में।

तथापि, यह तर्क इस दावे पर कमज़ोर पड़ता है, कि अमेरिका जानबूझकर भारत को दुश्मनों से घेर रहा है। हाँ, यह सच है कि अमेरिका ने पाकिस्तान से रिश्ते बनाए रखे हैं, प्रवासी समुदाय में खालिस्तानी तत्वों को जगह दी है और बांग्लादेश से लेन-देन वाले संबंध रखे हैं, लेकिन इस बात के ठोस सबूत नहीं हैं कि ये सब भारत को कमजोर करने की किसी संगठित रणनीति का हिस्सा हैं। ज़्यादा संभव है कि ये कदम अमेरिकी विदेश नीति की पुरानी आदत दर्शाते हों, यानी एक साथ कई, कभी-कभी विरोधाभासी, रास्तों पर चलना, जो कि घरेलू दबाव और रणनीतिक गणनाओं से प्रभावित होते हैं।

बड़ी तस्वीर यह है कि अमेरिका का प्लान था, एशिया में भारत को एक लोकतांत्रिक, आर्थिक और रणनीतिक साझेदार के रूप में खड़ा करना, जो चीन का संतुलन बना सके, वह भी अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी के बिना। इसी सोच से अमेरिका ने भारत को क्वाड में गहराई से जोड़ा, संयुक्त नौसैनिक अभ्यास बढ़ाए और तकनीकी व रक्षा सहयोग का विस्तार किया। लेकिन तनाव तब बढ़ा, जब अमेरिका को लगा कि भारत चीन के खिलाफ खुलकर खड़ा होने से बच रहा है, चाहे बात साउथ चाइना सी की हो, ताइवान की, या फिर 2020 के गलवान संघर्ष के बाद की। जब भारत ने पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस से ऊर्जा आयात जारी रखा, तो बाइडन प्रशासन की नाराज़गी और बढ़ गई। ट्रंप के पाकिस्तान के प्रति झुकाव के साथ-साथ ऊंचा शुल्क और भारत विरोधी बयानबाजी ने अब इस बढ़ते असंतोष को और आगे बढ़ाया है।

असल मोड़ यह है कि जापान और आस्ट्रेलिया के विपरीत भारत ने चीन के खिलाफ फ्रंटलाइन स्टेट बनने से इनकार कर दिया, क्योंकि जापान और

- भारत की ओर से मिली निराशा, ट्रम्प पचा नहीं पाये, और उन्होंने आक्रामक रूख अपना लिया।
- अतः भारत की विदेश नीति की सफलता इसी में है, कि वह वॉशिंगटन बनाम बीजिंग के लफड़े में नहीं पड़े तथा दोनों का लाभ लेते हुए आगे बढ़े।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति मुर्मू और प्र.मंत्री मोदी ने वाजपेयी को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 16 अगस्त। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , कई केन्द्रीय मंत्रियों और अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने शनिवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न से सम्मानित

- पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के अलावा, स्पीकर ओम बिडला, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई प्रमुख नेता उनकी समाधि ''सदैव अटल'' पहुंचे।

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर उनकी समाधि 'सदैव अटल' जाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब देश आत्म निर्भरता की नई कहानी लिख रहा है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने जोधपुर में राज्यस्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में झंडा फहराया

जोधपुर/जयपुर, 15 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर, खुशहाल और समृद्ध बना है, यहां हर व्यक्ति के पास तरक्की के भरपूर अवसर हैं। उनके नेतृत्व में आज भारत की न केवल दुनिया में साख बढ़ी है, बल्कि विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तरफ अग्रसर है। अब देश आत्मनिर्भरता की एक नई कहानी लिख रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रही है। राज्य सरकार विकास और सुशासन के संकल्प पर कार्य करते हुए समृद्ध और विकसित राजस्थान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

शर्मा शुक्रवार को जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना दी और स्वाधीनता के लिए जीवन भर पीड़ाएं-यातनाएं झेलने वाले ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों और बलिदानियों को नमन किया। उन्होंने इस राष्ट्रीय पर्व पर बहादुर जवानों को स्मरण करते हुए कहा कि वे देश की सीमाओं पर दिन-रात मुस्तैदी के साथ डटे हुए हैं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपनी अमूल्य सेवाएं देने वाले सभी पुलिसकर्मियों और नागरिक संगठनों व समाजसेवी संस्थाओं को भी धन्यवाद दिया।

- मुख्यमंत्री ने कहा कि खादी का धागा आजादी की लड़ाई में हमारी ताकत बना था, और आज वही धागा हमें विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जोधपुर के बरकतुल्लाह खान स्टेडियम में 79वें स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' में अब 'जय अनुसंधान' जोड़ने की आवश्यकता है। खादी का धागा आजादी की लड़ाई में हमारी ताकत बना था, और आज वही धागा हमें विकसित भारत के सपने को साकार करने की प्रेरणा देता है। आज, 'मेक इन इंडिया' के तहत हम स्वदेशी युद्धपोत, विमान और अत्याधुनिक हथियार प्रणालियां बना रहे हैं।

शर्मा ने ध्वजारोहण के बाद परेड का निरीक्षण किया और मार्चपास्ट की सलामी ली। इस दौरान एमआई-17 हेलीकॉप्टर से राष्ट्रीय ध्वज पर पुष्पवर्षा की गई। समारोह में मुख्यमंत्री ने एडीजी एटीएस एवं एसओजी विजय कुमार सिंह को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया तथा अनेक अधिकारियों को योग्यता प्रमाण पत्र दिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भजनलाल ने जन्माष्टमी पर गोविंद देव जी के दर्शन किए

जयपुर, 16 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सपत्नीक जयपुर के आराध्य देव श्री गोविन्द देव जी मंदिर में दर्शन किए। शर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं आमजन की खुशहाली की प्रार्थना की।

- मुख्यमंत्री भजनलाल व उनकी पत्नी ने भगवान गोविन्द देवजी की विधिवत् पूजा अर्चना की।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भगवान श्री कृष्ण ने गीता में जो उपदेश दिए, वे आज भी हमारे जीवन को सार्थक बना रहे हैं। हम सभी को भगवान श्री कृष्ण के दिखाए मार्ग पर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण ने कर्म की प्रधानता का संदेश दिया था। इसे आत्मसात कर हम सभी को विकसित भारत, विकसित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)